भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1157

06 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तेलंगाना में स्वास्थ्य मिशन और कार्यक्रम

1157. श्री गोडम नागेश:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केन्द्र सरकार द्वारा तेलंगाना में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और अन्य केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत कौन-कौन से प्रमुख स्वास्थ्य मिशन और कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ख) इन कार्यक्रमों के उद्देश्य और मुख्य घटक क्या हैं; और

(ग) तेलंगाना राज्य में स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य संकेतकों के संबंध में कार्यक्रम-वार अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) तेलंगाना सहित देशभर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच में सुधार लाने हेतु स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार, स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में पर्याप्त मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सहायता प्रदान करता है। एनएचएम के अंतर्गत, केंद्र सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रजनन, मातृ, नवजात शिशु, किशोर स्वास्थ्य और पोषण (आरएमएनसीएएच+एन), सार्वभौमिक टीकाकरण और तपेदिक, मलेरिया, डेंगू, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर और मानसिक स्वास्थ्य जैसी संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों के नियंत्रण से संबंधित प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय और

तकनीकी सहायता प्रदान करती है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के अभिलेख (आरओपी) के रूप में प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करती है।

एनएचएम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

(i) शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी।

(ii) स्थानिकमारी रोगों सहित संक्रामक एवं गैर-संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण।

(iii) एकीकृत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुंच।

(iv) जनसंख्या स्थिरीकरण, लैंगिक समानता एवं जनसांख्यिकीय संतुलन।

(v) स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं का पुनरुद्धार एवं आयुष को मुख्यधारा में लाना।

(vi) खाद्य एवं पोषण, स्वच्छता एवं साफ-सफाई संबंधी सार्वजनिक सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच और सार्वजनिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच, जिसमें महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का समाधान और सार्वभौमिक प्रतिरक्षण पर विशेष जोर दिया गया हो।

(vii) स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना।

हेल्थ डायनमिक्स ऑफ इंडिया (एचडीआई) (इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड ह्यूमन रिर्सोसेज़) एक वार्षिक प्रकाशन है, जो राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट किए गए स्वास्थ्य सेवा प्रशासनिक आंकड़ों पर आधारित है। तेलंगाना सहित पूरे देश में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की उपलब्धता का विवरण एचडीआई 2022-23 के निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है:

https://mohfw.gov.in/sites/default/files/Health%20Dynamics%20of%20India%20%28Infrastructure%20%26%20Human%20Resources%29%202022-23_RE%20%281%29.pdf

तेलंगाना में स्थित 5050 सहित 1.82 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से, उप स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) का सुदृढ़ीकरण करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ये एएएम प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं, संक्रामक रोगों, गैर-संक्रामक रोगों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए निवारक, प्रोत्साहक, पुनर्वास और उपचारात्मक देखभाल प्रदान करते हैं।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) सरकार की एक प्रमुख योजना है, जो भारत की आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के निचले 40% हिस्से में आने वाले लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों (12.37 करोड़ परिवारों) को माध्यमिक और विशिष्ट स्तर की परिचर्या हेतु अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति

परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है। हाल ही में, एबी पीएम-जेएवाई योजना का विस्तार करते हुए, इस योजना के तहत सामाजिक-आर्थिक पर ध्यान दिए बिना, 4.5 करोड़ परिवारों से संबंधित 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना कार्ड के साथ शामिल किया गया है। पीएम-जेएवाई डैशबोर्ड के अनुसार, दिनांक 03.02.2026 की स्थिति के अनुसार, तेलंगाना में 82.78 लाख कार्ड सहित कुल 43.18 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत 64,180 करोड़ रुपये के परिव्यय का उद्देश्य उप-स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयों, एकीकृत जिला जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) और गहन चिकित्सा अस्पताल ब्लॉकों (सीसीबी) के अवसंरचना विकास के लिए सहायता प्रदान करना है। वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तेलंगाना राज्य हेतु पीएम-एबीएचआईएम के तहत कुल 1369.03 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

पंद्रहवें वित्त आयोग ने राज्यों में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु स्थानीय सरकारों के माध्यम से पांच वर्षों (2021-2026) की अवधि में कुल 70,051 करोड़ रुपये के अनुदान की सिफारिश की है। पंद्रहवें वित्त आयोग के स्वास्थ्य अनुदान के तहत तेलंगाना राज्य के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक कुल 2227.51 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का उद्देश्य एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाना है जो स्वास्थ्य प्रणाली के भीतर स्वास्थ्य डेटा की परस्पर परवर्तनीयता को सक्षम बनाए, ताकि प्रत्येक नागरिक का दीर्घकालिक इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार किया जा सके, स्वास्थ्य सेवाओं को नागरिकों के लिए सुलभ बनाया जा सके, जिसमें देखभाल की लागत को कम करना और सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के बीच स्वास्थ्य सेवा वितरण में अधिक दक्षता लाना शामिल है। एबीडीएम डैशबोर्ड के अनुसार, दिनांक 03.02.2026 की स्थिति के अनुसार, तेलंगाना में 2.75 करोड़ सहित कुल 85.52 करोड़ आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) बनाए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के तहत, सरकार ने तेलंगाना सहित देश में स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए हैं और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कुल प्रजनन दर घटकर 2.0 हो गई है [राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5)], मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में लगातार सुधार देखा गया है, जिसमें मातृ मृत्यु दर घटकर 88 प्रति जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 25 प्रति हजार और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 29 प्रति हजार हो गई है [नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस 2023)]।

******